10675

संख्या-सी०एम०-१/सत्तर-1-2018-16(5)/18

संख्या- ओ- /सीएम-1/2018

दिनांक- 11 जनवरी, 2018

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

प्रिय महोदय/महोदया,

प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रदेश के छात्रों के अलावा विभिन्न राज्यों के छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं तथा कई संस्थाओं में अन्य देशों के छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अनुभव किया गया है कि कई बार विश्वविद्यालय/महाविद्यालय प्रशासन तथा विद्यार्थियों के बीच समुचित संवाद स्थापित न होने के कारण विद्यार्थियों की छोटी-छोटी समस्याओं का समुचित समाधान नहीं हो पाता है जिस कारण धरना/प्रदर्शन की स्थिति उत्पन्न होती है। अतः यह आवश्यक है कि समय समय पर विश्वविद्यालय/महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों/छात्र संगठनों के मध्य समुचित संवाद स्थापित किया जाए तथा छात्रों से जुड़े विभिन्न पहलुओं तथा समस्याओं को चिन्हित कर उनका समुचित समाधान समय रहते किया जाए।

2- उपर्युक्त के सन्दर्भ में निम्नांकित बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए यह अपेक्षा है कि युवा शक्ति को राष्ट्र के निर्माण में नियोजित किए जाने हेतु विशेष प्रयास किए जाएं :-

(1) विश्वविद्यालयों/महाविद्यालय परिसर विशेषतः छात्रावासों में अवांछनीय तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। छात्रावासों में बाह्य व्यक्तियों के प्रवेश एवं हस्तक्षेप से मुक्त रखने हेतु नियमित अन्तराल पर निगाह रखी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रतिभाशाली एवं देश के उज्ज्वल भविष्य के कर्णधार छात्रों को अध्ययन में अवांछनीय तत्वों के कारण अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। विशेषतः देश के बाहर से आने वाले छात्र-छात्राओं को पर्याप्त सुरक्षा का माहौल मुहैया कराया जाए। छात्रावास वार्डन प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं जिला प्रशासन के मध्य समन्वय स्थापित किया जाए।

(2) छात्र-छात्राओं की सुरक्षा एवं विशेष तौर पर छेड़छाड़ की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए महाविद्यालय प्रशासन के स्तर से कैम्पस में सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जाएं तथा प्रशासन से समन्वय कर सुरक्षा के समुचित प्रबन्ध किए जाएं। नवागन्तुक छात्र-छात्राओं के प्रवेश के उपरान्त रैगिंग के माध्यम से उत्पीड़न न हो इसके लिए सुसंगत प्राविधानों को अमल में लाया जाए।

(3) विभागाध्यक्ष के स्तर पर नियमित अन्तराल पर अभिभावकों के साथ मीटिंग आयोजित की जाएं।

(4) कक्षा एवं छात्रावासों में छात्रों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा कक्षाओं का नियमित व सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए।

(5) परिसर तथा परिसर के बाहर छात्र संगठनों एवं छात्रों द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की यथावश्यक अनुमति प्राप्त की जाए।

(6) सांस्कृतिक मूल्यों एवं संवैधानिक व्यवस्था के प्रति जागरूक करने हेतु समय-समय पर कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जाए। महापुरूषों की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर तथा अन्तर्विश्वविद्यालयीय स्तर पर भी किए जाएं।

(7) छात्र-छात्राओं को भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं उदाहरणतः स्टैण्ड-अप इण्डिया, स्टार्ट-अप इण्डिया, डिजिटल इण्डिया व स्वच्छ भारत मिशन इत्यादि से भी अवगत कराया जाए।

(8) राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के मूलभूत सिद्धान्तों का अनुसरण करने हेतु आवश्यक बिन्दु पाठ्यक्रमों में सम्मिलित किए जाएं।

(9) विषयबोध के साथ-साथ छात्र-छात्राओं में नैतिक मूल्यों के संवर्द्धन हेतु विशेष ध्यान दिया जाए।

(10) विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि समस्त पात्र छात्र-छात्राओं को ससमय छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए। इस हेतु यह आवश्यक है कि छात्रवृत्ति का आवेदन ऑनलाइन भरते समय छात्र-छात्राओं द्वारा त्रुटि रहित प्रविष्टियाँ अंकित कराने में उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर से की जाने वाली कार्यवाहियां भी ससमय की जाएं ताकि कोई भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित न रह जाए।

(11) परिसर में छात्र-छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य हेतु आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं।

(12) समाज के विभिन्न वर्गों के मध्य विषमताओं के होते हुए भी शैक्षणिक संस्थाओं में प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं जिससे कि छात्रों में सामाजिक समरसता एवं सद्भाव के गुणों का विकास हो।

(13) छात्र/छात्राओं में समाज के प्रति उत्तरदाई नागरिकता का भाव विकसित करने हेतु यथोचित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

(14) शिक्षा में तकनीक का उपयोग वर्तमान की आवश्यकता है किन्तु तकनीकी का उपयोग सकारात्मक उद्देश्यों के लिए करने हेतु छात्रों को इसके सकारात्मक पक्ष से अवगत कराया जाए।

आप सबके द्वारा हर सम्भव प्रयास किया जाए कि छात्र-छात्राओं को शिक्षा का समुचित माहौल मिले जिससे वे शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर सकें तथा किसी प्रोपोगेन्डा, दुष्प्रचार, अराजक तत्वों आदि से प्रभावित न हों तथा शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध अवसर का सदुपयोग कर अपना भविष्य संवारने के साथ-साथ राष्ट्र के नव निर्माण में अमूल्य योगदान दे सकें। सरकार ने आपकी योग्यता एवं कौशल के आधार पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है जिसका आप पूर्ण सदुपयोग करते हुए शिक्षण संस्थाओं में एक उत्कृष्ट एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का शैक्षिक वातावरण सृजित कर राष्ट्र के नव निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, ऐसा मेरा अटूट विश्वास है।

सप.प्रा।

भवदीय,

(योगी आदित्यनाथ)

1 समस्त कुलपतिगण,
केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

2 समस्त कुलपतिगण,
राज्य विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

3 समस्त कुलपतिगण,
निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

4 समस्त प्राचार्य,
राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त/निजी महाविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक : कु0स0–2 B स0अ0/3064/शासन विविध 1/2–2013/2014 दिनांक: 17 जनवरी, 2018

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. मा0 कुलपति जी को सादर सूचनार्थ।
2. प्राचार्य/प्रबंधक, समस्त महाविद्यालय, सम्बद्ध महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी को इस आशय से प्रेषित कि शासन के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
3. प्रभारी कम्प्यूटर सेण्टर को इस आशय से कि पत्र को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दें।

(ओम प्रकाश)
कुलसचिव